उत्कल विश्वविद्यालय

भुवनेश्वर, ओड़िशा

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

(2021-2022 और आगे)

हिन्दी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर

वाणीविहार, भुवनेश्वर

<u>उत्कल विश्वविद्यालय</u>

एम.ए.हिन्दी का पाठ्यक्रम

(2021-2022 और आगे)

हिन्दी एम.ए. का पाठ्यक्रम दो वर्षों का होगा, जिसको चार सिमेस्टर में विभाजित किया गया है| प्रत्येक सिमेस्टर में पाँच-पाँच प्रश्नपत्र होंगे| इस प्रकार पूरी परीक्षा के लिए 20 पेपर होंगे और पूर्णांक 2000 होगा|

प्रत्येक प्रश्नपत्र(पेपर) का पूर्णांक 100 होगा| उसमें से70 अंक लिखित परीक्षा के लिए और 30 अंक आभ्यंतरी परीक्षा के लिए संरक्षित होंगे| येपरीक्षाएँ प्रत्येक सिमेस्टर के अंत में अनुष्ठित होंगी|

हर लिखित प्रश्नपत्र में 5 इकाइयाँ होंगी| प्रत्येक इकाई से एकदीर्घोत्तरी 10 अंक के और एक लघूत्तरी 4 अंकों के प्रश्न होंगे| हर प्रश्न के दो विकल्प होंगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा| इस प्रकार लिखित प्रश्नपत्र का पूर्णांक 10+4=14×5=70 होगा| आभ्यंतरी प्रश्न विभाग द्वारा निश्चित किया जायेगा|

हिन्दी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय

भुवनेश्वर, ओड़िशा|

(Prof.)Radhakant Mishra

(Prof.)RabindraNath Mishra

(Prof.)Smarapriya Mishra

(Dr.)Snehalata Das

(Prof.)Subash Chandra Dash (co-ordinator)

निम्न में समस्त पाठ्यचर्याओं को उनकी विशेषता के अनुसार तीन श्रेणियों में विभाजित कर उनके शीर्षकों को भिन्न रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है;

- **RED: EMPLOYABILITY**
- **GREEN: ENTREPRENEURSHIP**
- **BLUE: SKILL DEVELOPMENT**

प्रथम सिमेस्टर:

HC-01: हिन्दी साहित्य का इतिहास-1 (आदि और मध्यकाल)

HC-02: सगुण भक्ति काव्य और रीति काव्य

HC-03: नाटक और एकांकी

HC-04: व्यावहारिक हिन्दी

HC-05: अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग

द्वितीय सिमेस्टर:

HC-06: हिन्दी साहित्य का इतिहास-2 (आधुनिक काल)

HC-07: भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का उद्भव विकास

AE-01: भारतीय काव्य चिंतन

AE-02: हिन्दी पत्रकारिता

OE-02: विशेष अध्ययन : तुलसीदास अथवा प्रेमचंद

तृतीय सिमेस्टर:

HC-08: शोध प्रविधि और प्रक्रिया

CE-01: आधुनिक हिन्दी काव्य

CE-02: हिन्दी गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी)

AE-03: पाश्चात्य साहित्य-चिंतन

OE-02: हिन्दी आलोचना और विविध विचारधाराएँ (स्त्री विमर्श, दलित विमर्श)

चतुर्थ सिमेस्टर:

HC-09: हिन्दी गद्य साहित्य

HC-10: लघु शोध प्रबंध लेखन और सेमिनार

CE-03: प्राचीन काव्य(संत काव्य और प्रेम काव्य)

CE-04: तुलनात्मक साहित्य तथा हिन्दी औरओड़िया काव्य का तुलनात्मकपरिदृश्य

OE-03: मौखिकी (स्पोकन हिंदी)

1st SEMESTER

PAPER CODE: HC-01

हिन्दी साहित्य का इतिहास-1 (आदि और मध्यकाल)

HINDI SAHITYA KA ITIHAS-1 (AADI AUR MADHYAKAL)

इकाई-1:हिन्दी साहित्य के आरंभिक संकेत,इतिहास लेखन के प्रारम्भिक उद्यम,प्रमुख इतिहास ग्रन्थ(उनमें प्राप्त विभिन्न दृष्टिकोण, कालविभाजन और नामकरण)

इकाई-2:हिन्दी साहित्य के आदि, भक्ति और रीतिकाल की पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ और प्रवृतियाँ, उनके उद्भव और विकास विषयक विविध दृष्टिकोण|

इकाई-3:सिद्ध, जैन, नाथ, रासो तथा वीर काव्य एवं शृंगारिक काव्य की विशेषताएँ और प्रमुख रचनाएँ तथा रचनाकार|

इकाई-4:निर्गुण ज्ञानाश्रयी भक्ति काव्य, प्रेमाश्रयी तथा सूफी काव्य, सगुण रामभक्ति काव्य की विशेषताएँ, एवं प्रमुख रचनाओं का ज्ञान|

इकाई-5:कृष्णभक्ति काव्य और रीति काव्य की विशेषताएँ तथा प्रमुख रचनाओं का सम्यक विवेचन, मध्ययुग की काव्यात्मक उपलब्धियाँ|

संदर्भग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा
3. हिन्दी साहित्य- हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपादक- डॉ॰नगेन्द्र

OBJECTIVE: To understand the concept of the present of Hindi literature in the light of it's past.

OUTCOME: To know the socio- cultural environment of ancient India. Writings of Hindi literature to know eminent poets and their time.

PAPER CODE: HC-02

सगुण भक्ति काव्य और रीति काव्य

(SAGUN BHAKTI KAVYA AUR REETI KAVYA)

इकाई-1:सूरदास- विनय, बाललीला और भ्रमर गीत के पद

विनय- चरन कमल बन्दौ हरिराई, जापर दीनानाथ ढरै, प्रभु मेरे अवगुण चित न धरौ, प्रभु हौं सब पतितन कौ टीको|

बाललीला- जसोदा हरी पालनै..........., हरी किलकत जसुदा की कनियाँ, सोभित कर नवनीत लियै, कहाँ लौं बरनौं सुंदरताई, मैया मैं नहिं माखन खायो, मैया मोहिं दाऊ बहुत खिझायौ, किलकत कान्ह घुटुरुवन आवत, मैया कबहूँ बढ़ेगी चोटी(सूर संचयन, विश्वविद्यालय प्रकाशन)

भ्रमरगीत के पद- भ्रमरगीत सार (पद- 21 से 50 तक)- रामचंद्र शुक्ल, पुस्तक भंडार, वाराणसी

इकाई-2: रामचरितमानस (उत्तरकांड)

इकाई-3: केशव- प्रारंभ के 10 पद

इकाई-4: बिहारी- प्रारंभ के 30 दोहे

भूषण- प्रारंभ के 10 पद

इकाई-5: घनानंद- पद 1 से 20

(इकाई 3-5: रीतिकाव्य संग्रह, विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

(भ्रमरगीत, बिहारीऔर घनानंद से व्याख्या के प्रश्न होंगे)

संदर्भग्रंथ:

1. सूर साहित्य- हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी दास- रामचंद्र शुक्ल
3. हिन्दी रीति साहित्य- भगीरथ मिश्र
4. रीती काव्य की भूमिका- डॉ. नगेन्द्र

OBJECTIVE: **To grab the knowledge of medieval Hindi poetry.**

OUTCOME: **To know the Bhakti trend in India and how its impact we can see in our day to day life and by taking the inspiration from that we can try to betterment for our society.**

PAPER CODE: HC-03

नाटक और एकांकी

NATAK AUR EKANKEE

इकाई-1: अंधेर नगरी- भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई-2: स्कंदगुप्त- जयशंकर प्रसाद

इकाई-3: आधे-अधूरे- मोहन राकेश

इकाई-4: अंधायुग- धर्मवीर भारती

इकाई-5: निम्नलिखित एकांकी:

क. पर्दे के पीछे- उदय शंकर भट्ट
ख. चारुमित्रा- रामकुमार वर्मा
ग. सूखी डाली- उपेन्द्रनाथ अश्क
घ. समरेखा-विषमरेखा- विष्णु प्रभाकर

(स्कंदगुप्त से व्याख्या के लिए प्रश्न होंगे)

संदर्भग्रंथ:

1. हिन्दी नाटक- बच्चन सिंह
2. हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास- दशरथ ओझा
3. नाटककार जयशंकर प्रसाद- संपादक- सत्येन्द्र कुमार तनेजा
4. मोहन राकेश और उनके नाटक- गिरीश रस्तोगी

OBJECTIVE: To make students understand the social connection of Hindi plays and playlet.

OUTCOME: Drama is the act of human life. The present problems of human rights, happiness, sorrow and future possibilities are also embedded in it. At the same time there is a powerful means of entertainment for the tired human beings, what every human needs.

PAPER CODE: HC-04

व्यावहारिक हिन्दी

VYAVAHARIK HINDI

इकाई-1: हिन्दी के विभिन्न रूप:

राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा, राजभाषा, भारतीय संविधान और हिन्दी, प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई-2: कार्यालयी हिन्दी:

टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, ज्ञापन, निविदा|

इकाई-3: कार्यालयी पत्र:

सरकारी, अर्धसरकारी पत्र, अर्जी, व्यवसायिक पत्र, अधिसूचना|

इकाई-4: ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में हिन्दी और पारिभाषिक शब्दावली|

इकाई-5: हिन्दी के प्रायोगिक क्षेत्र:

क. बैंक

ख. वीमा

ग. व्यावसायिक क्षेत्र

घ. कम्प्यूटर

संदर्भग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी- सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे
3. प्रशासनिक हिन्दी- ओंकारनाथ शर्मा
4. राजभाषा प्रशिक्षण- दान बहादुर पाठक
5. राजभाषा हिन्दी- भोलानाथ तिवारी
6. कम्प्यूटर अध्ययन- नरेन्द्र सिंह
7. सरकारी कार्यालयों व बैंकों में प्रयोजनशील हिन्दी- अनिल कुमार तिवारी

OBJECTIVE: Acquiring the information regarding the functional use of Hindi language.

OUTCOME: We teach practical Hindi to children with the aim that they get opportunity to work in government, non-government, semi government institutions. Because they are also taught both the writing and reading of all government and semi government official papers.

PAPER CODE: HC-05

अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग

ANUVAD SIDDHANT AUR PRAYOG

इकाई-1: अनुवाद की परिभाषा,प्रकृति और स्वरूप, मुख्या भेद, श्रोत और लक्ष्य भाषा का संपर्क

इकाई-2: अनुवाद की समस्याएँ, उपयोगिता, कार्यालयी अनुवाद, उसकी कठिनाइयाँ

इकाई-3: विभिन्न सिद्धांत, प्रक्रिया और प्रविधि (विचार विश्लेषण, अर्थ ग्रहण, अर्थान्तरण की प्रणाली आदि), समतुल्यता का सिद्धांत

इकाई-4: ओड़िआ से हिंदी में अनुवाद: (गद्य के बीस वाक्य और कविता की दस पंक्तियाँ)

इकाई-5: अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद: (गद्य के बीस वाक्य)

संदर्भग्रंथ:

1. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा-सुरेशकुमार
2. अनुवाद प्रक्रिया- रीतारानी पालीवाल,निधि प्रकाशन, दिल्ली
3. अनुवाद सिद्धांत- राजमणि शर्मा
4. कार्यालयी अनुवाद- गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

OBJECTIVE: Students will be able to elucidate the scope of translation in the Indian multi-linguistic and multicultural context also know the opportunities available in the field of translation and interpretation.

OUTCOME: Translation is important in today's globalisation era. Translation has an important role in sports, business, literature, government, non government organisation. It connects us to the whole world therefore through the study of translation they not only increase the knowledge of the students as well as enable them to connect with the world.

2nd SEMESTER

PAPER CODE: HC-06

हिन्दी साहित्य का इतिहास-2

HINDI SAHITYA KA ITIHAS-2

(आधुनिक काल)

इकाई-1: प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 और ब्रिटिश शासन का विरोध भारतीय नवजागरण, खड़ीबोली का उदय, फोर्टविलियम कॉलेज, पाश्चात्य और भारतीय वैचारिक संघात और नवीन जीवन तथा स्वतंत्रता की आकांक्षा, उसके लिए राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तथा साहित्यिक प्रयास|

इकाई-2: भारतेंदुयुग तथा महावीर प्रसाद युग की परिस्थितियाँ और विशेषताएँ

इकाई-3: छायावाद युग का उद्भव और विकास, साहित्यिक वैभव का उत्कर्ष, प्रगतिवाद का उदय और विकास, प्रयोगवाद और नई कविता का संघर्ष तथा उपलब्धियाँ

इकाई-4: आधुनिक काल और गद्यविधाओं का विकास, निबंध, नाटक, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृतांत आदि का उद्भव और विकास

इकाई-5: हिन्दी उपन्यास, कहानी और आलोचना साहित्य का ऐतिहासिक विकासक्रम और वैशिष्ट्य

संदर्भग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपादक- डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ- नामवर सिंह
4. भारतेंदु युग और महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण- रामविलास शर्मा
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिन्दी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी

OBJECTIVE: To understand the concept of the present of Hindi literature in the light of it's past.

OUTCOME: From the history of Hindi literature we not only get the knowledge of our socio, political ,economic and religious system as well as that of the prominent writers and poets who have made the Hindi world prosperous, students get their proper information. Being a student of Hindi this knowledge is absolutely necessary for them.

PAPER CODE: HC-07

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषाका उद्भव विकास

BHASHA VIGYAN AUR HINDI BHASHAKA UDBHAV VIKAS

इकाई-1: भाषा की परिभाषा, स्वरूप, विविध रूप और भाषा विज्ञान का स्वरूप, प्रमुख अंग और अध्ययन की पद्धतियाँ

इकाई-2: ध्वनिविज्ञान; हिन्दी की ध्वनियाँ, वाग्यंत्र, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनी परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, मानस्वर, स्वनिम और संस्वन

इकाई-3: रूपविज्ञान; रूपिम, संरूप, शब्द निर्माण की प्रक्रिया, वाक्यविज्ञान, वाक्यों के भेद, अवधारणा, अर्थ के आधार पर विभिन्न शब्द, अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ

इकाई-4: आर्यभाषाओँ का विकासक्रम; वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं की मुख्य विशेषताएँ

इकाई-5: हिन्दी की बोलियाँ और उनकी मुख्य विशेषताएँ

संदर्भग्रंथ:

1. भाषाविज्ञान- भोलानाथ तिवारी
2. भाषाविज्ञान की भूमिका- देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. हिन्दी: उद्भव, विकास और रूप- हरदेव बाहरी
4. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा- राम त्रिपाठी
5. भाषा विज्ञान- राजमणि शर्मा
6. हिन्दी भाषा: इतिहास और स्वरूप- राजमणि शर्मा

OBJECTIVE: Understanding the concept of origin of Hindi and it's linguistics.

OUTCOME: Linguistics is such a subject of human life that every person should be aware of it. The letters we pronounce, vowels and consonants, if the knowledge of the situation is not there now, then the pronunciation of the words of the person will not be correct. From word to sentence and its meaning and different methods of sentence formation are helpful in the personal development of the person. For this purpose we teach them linguistics.

PAPER CODE: AE-01

भारतीय काव्य चिंतन

BHARATEEYA KAVYA CHINTAN

इकाई-1: काव्य की परिभाषा, काव्य लक्षण, भेद, हेतु और प्रयोजन, काव्यशास्त्र का महत्व, काव्यात्मा संबंधी विचार

इकाई-2: रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस की निष्पति, उस संबंध में विभिन्न मत, रस के अंग, प्रमुख भेद और साधारणीकरण

इकाई-3: अलंकार संप्रदाय और रीति संप्रदाय: अवधारणा, मौलिक स्थापनाएँ और उनका मूल्यांकन, अलंकारों के भेद और मुख्य अलंकार, रीति और गुणों का संबंध, रीति के भेद|

इकाई-4: ध्वनी सिद्धांत; ध्वनी का स्वरूप, चिंतन की मौलिकता, ध्वनी काव्य के भेद, शब्दशक्तियाँ

इकाई-5: वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांत: मुख्य विचार और प्रकारभेद

संदर्भग्रंथ:

1. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका- डॉ. नगेन्द्र
2. काव्यशास्त्र एवं भारतीय काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र- सत्यदेव चौधरी
4. भारतीय काव्यशास्त्र-निशा अग्रवाल

OBJECTIVE: Grab the knowledge of Hindi poetics and it's different theories.

OUTCOME: Literary works were done in different languages in India. In this multilingual country the purpose of poetry and the method of creating poetry have been discussed in various ways. To become a successful writer he has to follow these rules, therefore it's study and teaching is absolutely necessary.

PAPER CODE: AE-02

हिन्दी पत्रकारिता

HINDI PATRAKARITA

इकाई-1: हिंदी पत्रकारिता का विकास-क्रम (1860-1960), मुख्या पत्र-पत्रिकाएँ

इकाई-2: समाचार पत्र, समाचार का स्वरूप, समाचार संकलन-लेखन, शीर्षक

इकाई-3: समाचार-संपादन,संपादकीय उत्तरदायित्व और संपादकीय लेखन, उसकी उपयोगिता

इकाई-4: साक्षात्कार, फीचर लेखन, वर्गीकरण, सजावट आदि

इकाई-5: संचार के अन्य माध्यमों का महत्व: रेड़ियो, टेलीविजन, वीडियो आदि

संदर्भग्रंथ: पत्रकारिता-

1. हिन्दी पत्रकारिता- कृष्णविहारी मिश्र
2. आधुनिक पत्रकारिता- अर्जुन तिवारी
3. पत्रकारिता के नए आयाम- एस. के. दुबे

OBJECTIVE: Knowing the history of Hindi journalism along with it's vital role in Indian history and politics.

OUTCOME: We teach them Hindi journalism because they can get opportunity to work in government, non-government and semi-government institutions. And Hindi Language plays a vital role in today's journalism world.

PAPER CODE: OE-01

विशेष अध्ययन: तुलसीदासअथवा प्रेमचन्द समस्त रचनाओं का विवेचन

VISHESH ADHYAYAN: TULSIDAS ATHAVA PREMCHAND SAMASTA RACHANAON KA VIVECHAN

तुलसीदास

TULSIDAS

इकाई-1: रामचरितमानस- उत्तरकांड

इकाई-2: विनयपत्रिका- (पद संख्या- 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 85, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 113, 114, 115, 121, 159, 160, 164, 165, 166, 182, 201, 269, 272)

इकाई-3: कवितावली- बालकांड, अयोध्याकांड

इकाई-4: गीतावली- अरण्यकांड

इकाई-5: दोहावली(प्रथम 200 दोहे और सोरठे)

(व्याख्या के प्रश्न उत्तरकांड के 1 से 60 दोहे तक और विनयपत्रिका से होंगे)

संदर्भग्रंथ:

1. तुलसीदास- राममूर्ति त्रिपाठी
2. तुलसीदास- विश्वनाथ त्रिपाठी
3. तुलसी दास- उदयभानु सिंह
4. भक्तिकाव्य की भूमिका- प्रेमशंकर

OBJECTIVE: Understanding the literature of Hindi’s eminent litterateur Tulsidas.

OUTCOME: To know their works and their impact on our day to day life and taking inspiration from that we can try to betterment for our society.

प्रेमचंद

PREMCHAND

इकाई-1: प्रेमाश्रम

इकाई-2: रंगभूमि

इकाई-3: कर्मभूमि

इकाई-4: कुछ विचार

इकाई-5: कहानी: पंच परमेश्वर, शतरंज के खिलाड़ी, नशा, सवासेर गेहू, दो बैलों की कथा, सुजान भगत, पूस की रात, कफ़न

(व्याख्या कर्मभूमि से पूछी जाएगी)

संदर्भग्रंथ:

1. प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा
2. कहानीकार प्रेमचंद- शिवकुमार मिश्र
3. प्रेमचंद- गंगा प्रसाद विमल
4. हिन्दी उपन्यास- रामचंद्र तिवारी

OBJECTIVE: **Having the depth knowledge of the Hindi's popular novelist and story writer Munshi Premchand.**

OUTCOME: **To know their works and their impact on our day to day life and taking inspiration from that we can try to betterment for our society.**

3rd SEMESTER

PAPER CODE: HC-08

शोध प्रविधि और प्रक्रिया

SODH PRAVIDHI AUR PRAKRIYA

इकाई-1: शोध अथवा अनुसन्धान का अर्थ और स्वरूप, समस्याएँ तथा उपयोगिता

इकाई-2: अनुसंधान के मूल तत्त्व, प्रक्रिया और प्रकार

इकाई-3: प्रविधि-सामग्री का परीक्षण, विषय निर्वाचन, सामग्री संकलन, विश्लेषण तथा ग्रहण त्याग|

इकाई-4: प्रक्रिया-शोधकार्य की रूपरेखा प्रस्तुति, प्रस्तावना, विषयसूची, अध्याय-विभाजन, सन्दर्भ-उल्लेख, सहायक ग्रन्थ- सूची

इकाई-5: परिकल्पना (हाईपोथिसिस), विषय-विवेचन, सिद्धांत की प्रामाणिकता का परीक्षण, निष्कर्ष

संदर्भग्रंथ:

1. अनुसंधान प्रविधि: सिद्धांत और प्रक्रिया- एस.एन.गणेशन
2. शोध: स्वरूप एवं व्यावहारिक कार्यविधि- बैजनाथ सिंहल

OBJECTIVE: **Understanding the concept of research methodology and process.**

OUTCOME: **In today's scientific age the educated class does not accept the information of anything as such he inspects his examination in a complete scientific manner and puts the material obtained by the teacher in front of the society. Similarly in the literature researches are done on the basis of various methods, for which research methods are taught to children. There is a need of a dissertation when comparing not only Hindi literature but literature of other languages.**

PAPER CODE: CE-01

आधुनिक हिन्दी काव्य

ADHUNIK HINDI KAVYA

इकाई-1: साकेत(नवम सर्ग)- मैथिलीशरण गुप्त

इकाई-2: कामायनी(श्रद्धा और लज्जा सर्ग)- जयशंकर प्रसाद

इकाई-3: राम की शक्तिपूजा, तुम और मैं- निराला

इकाई-4: उर्वशी(तृतीय सर्ग)- दिनकर

इकाई-5: असाध्य वीणा- अज्ञेय और अँधेरे में- मुक्तिबोध

(व्याख्या के प्रश्न इकाई 2,3,5 से होंगे)

संदर्भग्रंथ:

1. साकेत: एक अध्ययन- नगेन्द्र
2. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
3. छायावाद- नामवर सिंह
4. प्रसाद का काव्य- प्रेमशंकर
5. उर्वशी: उपलब्धि और सीमा- विजेंद्र नारायण सिंह
6. अँधेरे में: इतिहास, संरचना, संवेदना- बच्चन सिंह
7. आधुनिक हिन्दी कविता का विकास- हेतु भारद्वाज

OBJECTIVE: Acquiring the information regarding the modern Hindi poetry and knowing it's relevance in modern era.

OUTCOME: To know the modern era in India and how its impact we can see in our day to day life and by taking the inspiration from that we can try to betterment for our society.

PAPER CODE: CE-02

हिन्दी गद्य साहित्य: उपन्यास और कहानी

HINDI GADYA SAHITYA: UPANYAS AUR KAHANEE

इकाई-1: गोदान-प्रेमचंद

इकाई-2: मैला आँचल- फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई-3: आपका बंटी- मन्नू भंडारी

इकाई-4: कहानियाँ:

क. पूस की रात – प्रेमचंद
ख. आकाशदीप – प्रसाद
ग. पत्नी – जैनेन्द्र कुमार
घ. वाङ्चू–भीष्मसाहनी

इकाई-5: कहानियाँ:

क. खोई हुई दिशाएँ– कमलेश्वर
ख. जहाँ लक्ष्मी कैद है– राजेंद्र यादव
ग. प्रेत मुक्ति – शैलेश मटियानी
घ. परिंदे – निर्मल वर्मा

(व्याख्या के प्रश्न गोदान से होंगे)

संधर्भग्रन्थ:

1. प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा
2. हिन्दी उपन्यास- रामचंद्र तिवारी
3. कहानी नयी कहानी- नामवर सिंह
4. हिन्दी कहानी का इतिहास- गोपाल राय
5. मैला आँचल का महत्व- मधुरेश

OBJECTIVE: Learning about Hindi fiction and it's dynamic beauty.

OUTCOME: The present problems of human rights, happiness, sorrow and future possibilities are also embedded. At the same time there is a powerful means of entertainment for the tired human being, what every human needs.

PAPER CODE: AE-03

पाश्चात्य साहित्य चिंतन

PASCHATYA SAHITYA CHINTAN

इकाई-1: प्लेटो- सत्य और काव्य, अनुकरण सिद्धांत,

अरस्तू- अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी, विरेचन सिद्धांत,

लोंजाइनस- उदात्त तत्व

इकाई-2: वड्र्सवर्थ- स्वच्छंदतावाद,

कॉलरिज- कल्पना सिद्धांत,

मैथ्यू आर्नल्ड- शास्त्रवादी विचार, कला और नैतिकता

इकाई-3: आई.ए.रिचड्र्स- मूल्य और सम्प्रेषण सिद्धांत, साहित्य सम्बन्धी विचार

टी.एस.इलियट- परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

इकाई-4: पाश्चात्य साहित्य चिंतन के विभिन्न चरण: एक विहंगावलोकन: प्लेटो से नई समीक्षा तक

इकाई-5: प्रमुख वाद: स्वच्छंदतावाद, शास्त्रवाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, प्रतीकवाद, विखंडनवाद|

संदर्भग्रंथ:

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन- निर्मला जैन
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा- नगेन्द्र और सावित्री सिन्हा
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- देवेन्द्रनाथ शर्मा

OBJECTIVE: Introducing the students to the western literature thinking.

OUTCOME: Literary works were done in different languages in western world also. The purpose of poetry and the method of creating poetry have been discussed in western literary works in various ways. To become a successful writer he has to follow these rules. Therefore, it's study and teaching is absolutely necessary.

PAPER CODE: OE-02

हिन्दी आलोचना और विविध विचारधाराएँ (स्त्री विमर्श, दलित विमर्श)

HINDI ALOCHANA AUR VIVIDH VICHARDHARAEN (STREE VIMARSH, DALIT VIMARSH)

इकाई-1: रामचंद्र शुक्ल- चिंतामणि भाग-1

इकाई-2: हजारी प्रसाद द्विवेदी- हिन्दी साहित्य की भूमिका

इकाई-3: नगेन्द्र- रीति काव्य की भूमिका, स्त्री विमर्श

इकाई-4: रामविलास शर्मा- प्रेमचंद

इकाई-5: नामवर सिंह- दूसरी परंपरा की खोज, दलित विमर्श

संदर्भग्रंथ:

1. हिन्दी आलोचना की बीसवीं शताब्दी- निर्मला जैन
2. हिन्दी आलोचना- विश्वनाथ त्रिपाठी
3. हिन्दी आलोचना का विकास- नंद किशोर नवल
4. दलित साहित्य- अनुभव, संघर्ष, और यथार्थ- ओमप्रकाश बाल्मीकि
5. दलित चिंतन का विकास- धर्मवीर
6. स्त्री लेखन की रूपरेखा- राम प्रकाश

OBJECTIVE: Having a depth knowledge of Hindi criticism and it's different thinkers along with their thoughts.

OUTCOME: According to the need in our society along with social change there was a change in social believes, understanding etc. This result was also seen in the literature. From time to time critics tried to find elements of translation, communication, socialism etc in literature. On the same criterion the writing of literature also started, because the relation of literature is directly related to man and his society. Therefore, literature remained untouched by its influence. Literature is a unit which is capable of changing a man or his society. That's why the writer needs to read these criticisms its solution is not only done but at the same time the self confidence in the students also increases.

4th SEMESTER

PAPER CODE: HC-09

हिन्दी गद्य साहित्य(निबंध, रेखाचित्र, जीवनी, संस्मरण, यात्रा विवरण)

HINDI GADYA SAHITYA (NIBANDH, REKHACHITRA, JEEVANI, SANSMARAN, YATRA, VIVARAN)

इकाई-1: निबंध निकष- सं रामचंद्र तिवारी

इकाई-2: हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित: बैलगाड़ी, लछमा, बैसवाड़े से निराला, दंतकथाओं में त्रिलोचन, एक कुत्ता और एक मैना

इकाई-3: अरे यायावर रहेगा याद- अज्ञेय

इकाई-4: आवारा मसीहा- विष्णु प्रभाकर

इकाई-5: अन्या से अनन्या- प्रभा खेतान

(व्याख्या केवल 'निबंध निकष' से पूछी जाएगी)

संदर्भग्रंथ:

1. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार- विभुराम मिश्र
3. यात्रा साहित्य विधा: शास्त्र और इतिहास- बाबुराम देशाई

OBJECTIVE: Understanding the different types of Hindi prose literature.

OUTCOME: The present problems of human rights, happiness, sorrow and future possibilities are also embedded. At the same time there is a powerful means of entertainment for the tired human being but every human needs.

PAPER CODE: HC-10

लघु शोध प्रबंध लेखन और सेमिनार

LAGHU SHODH PRABANDH LEKHAN AUR SEMINAR

प्रत्येक विद्यार्थी को लगभग 50 पृष्ठों में एक शोध-प्रबंध लिखकर परीक्षा प्रारंभ होने से पहले विभाग में जमा करना होगा| शोध का विषय और शीर्षक आदि विभाग द्वारा अनुमोदित किया जायेगा| लेखन के लिए पूर्णांक 70 और सेमिनार के लिए 30 अंक होंगे|

OBJECTIVE: Practicing thesis writing and seminar representation.

OUTCOME: We also get the dissertation written according to the interest of the student on any of the subjects we teach in course because in future students get success in their research works..

PAPER CODE: CE-03

प्राचीन काव्य (संतकाव्य और सूफीप्रेमकाव्य)

PRACHEEN KAVYA (SANTKAVYA AUR SOOFEE PREMKAVYA)

इकाई-1: विद्यापति की पदावली- वसंत खंड

इकाई-2: पृथ्वीराज रासो- चंदबरदाई(शशिव्रता विवाह) पदसंख्या- 1-50

इकाई-3: कबीर दास

साखियाँ- गुरुदेव कौ अंग 1-30

सुमिरन कौ अंग 1-30

विरह कौ अंग 1-30

पद 1-5

इकाई-4: पद्मावत- जायसी- नखशिख खंड और सिंहल द्वीप वर्णन

इकाई-5; संतकाव्य परंपरा: रैदास, दादू, सुन्दरदास और रज्जब की बानियों से एक-एक पद|

(व्याख्या के प्रश्न विद्यापति और कबीरदास वाली इकाई से होंगे)

आधारग्रन्थ:

1. विद्यापति पदावली- रामवृक्ष बेनीपुरी
2. पृथ्वीराज रासो- चंद बरदाई
3. कबीर ग्रंथावली- सं.श्यामसुंदरदास
4. पद्मावत- जायसी- सं.माताप्रसाद गुप्त

संदर्भग्रंथ:

1. विद्यापति- शिवप्रसाद सिंह
2. पृथ्वीराज रासो- नामवर सिंह
3. कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर मीमांसा- रामचंद्र तिवारी
5. संतकाव्य परंपरा- पशुराम चतुर्वेदी
6. जायसी- विजयदेव नारायण साही

OBJECTIVE: Understanding ancient Hindi poetry.

OUTCOME: To know the ancient era in India and how its impacts in our day to day life and how we can take inspiration from that and we can try to betterment of our society.

PAPER CODE: CE-04

तुलनात्मक साहित्य तथा हिंदी ओड़िआ काव्य का तुलनात्मक परिदृश्य

TULANATMAK SAHITYA TATHA HINDI ODIA KAVYA KA TULANATMAK PARIDRISHYA

इकाई-1: तुलनात्मक साहित्य की परिभाषा, रूपरेखा, क्षेत्र, उद्देश्य तथा सीमाएँ और समस्याएँ

इकाई-2: तुलनात्मक साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष विभिन्न स्कूल, भारतीय और विश्व साहित्य की संकल्पना

इकाई-3: तुलनात्मक अध्ययन की विविध प्रावधियाँ, साहित्यिक वैशिष्ट्य का उद्घाटन

इकाई-4: तुलनात्मक साहित्य राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ,अन्तर्विद्यावर्तीस्वरूप, सार्वजनिन साहित्य चिंतन

इकाई-5: हिन्दी-ओड़िआकाव्य का विकासक्रम और तुलनात्मक परिदृश्य

संदर्भग्रंथ:

1. तुलनात्मक साहित्य- इंद्रनाथ चौधुरी
2. तुलनात्मक साहित्य- डॉ.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3. तुलनात्मक साहित्य- डॉ. नगेन्द्र
4. तुलनात्मक अध्ययन: स्वरूप और समस्याएँ- राजुरकर और राजमल बोहरा
5. COMPARATIVE LITERATURE: MATTER AND METHOD- O.ALNIL

OBJECTIVE: **To attain a broad knowledge of various literary traditions both in their specificity and interrelation.**

OUTCOME: **Comparative literature is important in today's globalisation era. Comparative literature has an important role in our life. It connects us to the world, therefore through the study of comparative literature we not only increase the knowledge of the students as well as enable them to connect with the world.**

PAPER CODE: OE-03

मौखिकी

MAUKHIKEE

यह मौखिकी परीक्षा सत्र के अंत में होगी| विद्यार्थी के ज्ञान की परीक्षा तथा वक्तृत्व-क्षमता की परीक्षा की जाएगी|

OBJECTIVE: This oral examination enables the student to be more efficient in interviews.

OUTCOME: Through this we will improve the ability of the students to speak Hindi.. By this their self-confidence will also increase and they will face the competition in future. It will help them in their personality development..